GENERAL STUDIES (Test–8)

Time allowed: Three Hours

DTVF/23 (J-A)–M–**GSM (P-III)-2308**

Maximum Marks:250

Name: Jatin Kumar **Mobile Number: _____**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number: _____**

Center & Date: Online – 08.08.2023 **UPSC Roll No. *(If allotted)*: _____**

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

(To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total			

E-167

Evaluator (Signature)

Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

⇒ आपकी विषय वस्तु पर समझ अच्छी है

⇒ भूमिका एवं निष्कर्ष का उत्तर ठीक है

⇒ लेखन शैली एवं भाषा प्रवाह अच्छा

⇒ उत्तर को अधिक तथ्यपरक तथा व्यवस्थित लिखने का अभ्यास जारी रखें।

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

1 (a) अभिरुचि सिविल सेवा पेशेवरों के प्रदर्शन और विकास की क्षमता को कैसे प्रभावित करती है?

अभिरुचि से तात्पर्य किसी व्यक्ति की कौशल एवं क्षमता से है यह जन्मजात एवं अधिगृहित हो सकती है।

अभिरुचि के विकास के कारक :-

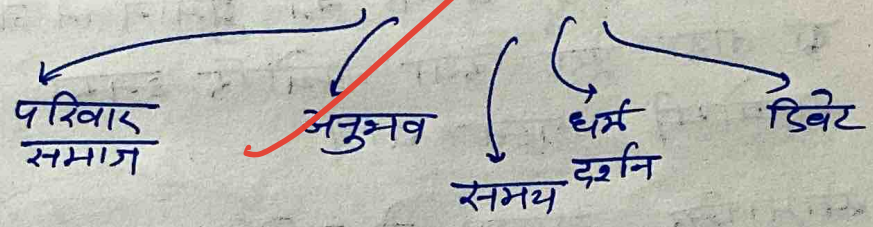

सिविल सेवा पेशेवरों के प्रदर्शन एवं विकास की क्षमता पर प्रभाव :-

1. संसाधनों का न्यूनतम उपयोग करके अधिकतम परिणाम प्राप्त करना
(उदा.) भारती होलीकेरी, IAS ने बिना राजकोषीय उत्तरदायित्व बढ़ाये महिलाओं के मध्याह्न भोजन की व्यवस्था की एवं इससे प्रसवपूर्व जाँच में वृद्धि हुई।

2. नागरिकोन्मुखी प्रशासन तंत्र का विकास-
(उदा.) शिवदीप लाण्डे, IPS द्वारा

प्राप्त सभी मोबाइल संदेशों को देखना एवं समस्या समाधान करना जिससे लोगों के मध्य विश्वास में भी वृद्धि हुई है।

3. भावनात्मक समझ का विकास :-

उदा. भावनात्मक समझ का परिचय देते हुए अब्दुल कलाम ने अपने सहयोगी के बच्चों को घुमाने ले जाना का वादा पूरा किया क्योंकि उनका सहयोगी व्यस्त था।

4. सामाजिक न्याय की सुनिश्चितता :-

उदा. सभी लोगों तक प्रशासकीय सुविधाओं का विस्तार

5. जनभागीदारी में वृद्धि :-

उदा. परमेश्वर अय्यर द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के दौरान टॉयलेट स्वयं साफ करके दिखाया गया जिससे लोगों की भागीदारी में वृद्धि हुई।

आपेक्षित सिविल सेवा में अत्यन्त महत्वपूर्ण घटक है जिसके माध्यम से संवैधानिक मूल्यों एवं समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

1 (b) कृत्रिम बुद्धिमता से मानवता को लाभ पहुँचाने के लिए किन नीतिशास्त्र संबंधी निर्णयों को स्थान में रखा जाना चाहिये? सोदाहरण उत्तर दीजिये।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से आशय ऐसी मशीनी बुद्धिमत्ता से है मानवीय कार्यों का स्थान लेने हेतु भविष्य की कारगर तकनीक है। इससे हाल में अनेक वैज्ञानिक, कृत्रिमगत कार्य सम्पन्न किए जा रहे हैं।

AI से मानवता को लाभ
- कृषि क्षेत्र – जल, सूक्ष्म तत्वों की आवश्यकता
- चिकित्सा – नवीन वैक्सीन निर्माण में सहयोग
- विज्ञान – नवीन मानवोपयोगी तकनीक विकास
- अंतरिक्ष – नये लॉन्च व्हीकल के निर्माण में सहयोग

सम्बन्धित नीतिशास्त्रीय निर्णयों :-

1. **बौद्धिक सम्पदा अधिकारों की सुरक्षा :-**

(उदा.) AI के निर्णय सामान्यतः कॉपीराइट, पैटेन्ट आदि नियम-कानूनों का उल्लंघन करते हैं।

2. **निजता का उल्लंघन :-**

(उदा.) AI अनेक बार व्यक्ति के निजी

UPSC

डाटा को मशीन लर्निंग द्वारा प्रसंस्करित कर अन्य रूप में प्रस्तुत कर सकता है।

(3) प्राकृतिक नियमों के विरुद्ध :-

उदा. कृषि क्षेत्र में AI के प्रयोग से अत्यधिक रसायन प्रयोग एवं मृदा अपरदन की संभावना

(4) राजनैतिक एवं संस्थागत निष्पक्षता पर खतरा :-

उदा. अपने अनुकूल प्रयोग करने के लिए परिणामों में हेराफेरी संभव

(5) डीपफेक सम्बन्धी मुद्दे :-

उदा. AI की सहायता से डीपफेक को प्रवर्धित कर हिंसा, ईर्ष्या व द्वेष फैलाने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

AI अपने विकास के प्रारम्भिक चरण में है जिसे डाटा सुरक्षा, वैधिक अन्तः सम्बन्ध एवं विनियामकीय प्रक्रियाओं द्वारा नियमित करके विकासीय गतिविधियों में प्रयोग में लाया जा सकता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(2) (a) "अधिकारों का वास्तविक स्रोत कर्तव्य है यदि हम सभी अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे तो हमारे अधिकार हमसे दूर नहीं होंगे। यदि कर्तव्यों को पूरा न करके हम अधिकारों के पीछे भागते है तो वे मिथ्याभास की तरह हमसे दूर हो जाएंगे। जितना अधिक हम उनका पीछा करेंगे, वे उतने ही दूर हो जाएंगे"। नागरिकों के कर्तव्यों के संदर्भ में कथन का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

कर्तव्य, मानव के वे आंतरिक मूल्य हैं जिन्हें सकारात्मक अभिवृत्ति द्वारा व्यवहार में प्रयोग किया जाता है।

अधिकार व्यक्ति को सभ्य, सम्मान एवं विकासशील जीवन जीने के लिए आवश्यक स्वतंत्रताएँ हैं। ये प्राकृतिक, एवं विधि-प्रदत्त हो सकते हैं।

केवल अधिकारों की माँग एवं कर्त्तव्यों की पूर्ति नहीं :-

1. आत्मसंतुष्टि का अभाव :-
(उदा.) अपने वृद्ध-माता की पेंशन के लिए प्रयास करना किन्तु उन्हें साफ आवास न स्वास्थ्य सुविधा प्रदान नहीं करवाना।

2. सम्पूर्ण विकास में अवरोध :-
(उदा.) सकारात्मक मूल्यों के प्रवाह नहीं होने से

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3. पर्यावरण विनाश :-

(उदा.) जीव-जन्तु एवं पर्यावरण बचाना कर्त्तव्य है किन्तु उनके द्वारा प्रदत्त खाद्य, आवास, लकड़ी पर अधिकार समझना।

कर्त्तव्य पूरे करने पर अधिकारों की माँग :-

1. समाज का समावेशी विकास :-

(उदा.) सर्वोच्च न्यायालय ने अधिकार व मूल कर्त्तव्य एक दूसरे के पूरक माने हैं।

2. सामाजिक शांति एवं कर्त्तव्य परायणता :-

(उदा.) घरेलू हिंसा में कमी
आगामी पीढ़ी भी कर्त्तव्यों हेतु प्रेरित

3. नैतिक द्वन्द्वों से छुटकारा

(उदा.) अन्तरात्मा की आवाज सुनना
नैतिक मूल्यों पर आधारित

कर्त्तव्य की पूर्ति स्वमेव अधिकारों की माँग को उद्धेलित करती है जिसे सामाजिक व संवैधानिक मान्यता भी प्राप्त है। ये एक रथ के दो पहिए हैं जिन्हें समानान्तर चलने की आवश्यकता है।

4.5/10

अधिकार एवं कर्तव्य के मध्य संबंध का थोड़ा विस्तार से उल्लेख करें

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(2) (b)

अभिवृत्ति का प्राथमिक कार्य व्यक्ति की आंतरिक आवश्यकताओं तथा बाह्य वातावरण के बीच मध्यस्थता स्थापित करना है। अभिवृत्ति के कार्य क्या है? विस्तारपूर्वक विवेचना कीजिये।

अभिवृत्ति से आशय किसी व्यक्ति की विशेष परिस्थितियों एवं विचार अथवा विषय के प्रति सुसंस्कृत स्वभाव से है। यह वस्तुनिष्ठ विश्व की व्यक्तिपरक व्याख्या है।

अभिवृत्ति की विशेषताएँ
- धर्म, दर्शन, समाज द्वारा प्रभावित
- समय के अनुसार परिवर्तनशील
- नकारात्मक अथवा सकारात्मक
- व्यवहारपरक

अभिवृत्ति के कार्य :-

1. विषय उपयोगी कार्य :-
   - पुरस्कार
   - दण्ड
2. ज्ञान आधारित :-
   - सकारात्मक अभिवृत्ति → ज्ञानवान लोगों से सम्पर्क प्रोत्साहित → विकास
   - नकारात्मक अभिवृत्ति → रूढ़िवादिता को प्रोत्साहन

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3. अन्तःकरण सम्बन्धी → आन्तरिक द्वेष, द्वन्द्व आदि का विनाश
↳ भावनात्मक समझ का विकास

4. द्विवादिता
- सकारात्मक → नवीन विचारों की अभिव्यक्ति
- नकारात्मक → परम्परागत मूल्यों का महत्व

5. मूल्य अभिव्यंजक कार्य –
– व्यक्ति के सामाजिक मूल्यों का प्रदर्शन
उदा॰ JNU के छात्रों का गैजेट एवं भौतिकतावाद से स्नेह नहीं

6. सामाजिक पहचान प्रदान करने में

7. वैयक्तिक
उदा॰ घड़ी → किसी के लिए – समय
→ किसी अन्य के लिए – फैशन का साधन

अतः अभिवृत्ति एक जटिल मूल्य है जिसका मानव के जीवन एवं व्यवहार पर प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः प्रभाव पड़ता है। अभिवृत्ति परिवर्तन से परिणाम परिवर्तित किये जा सकते हैं।

⇒ आपकी विषयवस्तु पर समझ अच्छी है

4.5/10

⇒ इंट्रो में [illegible] को भी शामिल करें

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3 a "किसी चीज में विश्वास करना और उसमें न जीना, बेईमानी है" – महात्मा गांधी

महात्मा गाँधी के अनुसार 'जो आप सोचते हैं, जो आप कहते हैं एवं जो आप करते हैं, उनमें समानता होनी चाहिए, इसी से खुशी मिलती है।'

किसी चीज में विश्वास एवं उसके ना जीना :-

– जीवन पर इसके निम्नलिखित प्रभाव होते हैं।

1. संज्ञानात्मक डिसोनेन्स :-

उदा० किसी IPS अधिकारी द्वारा अहिंसा को सर्वोत्तम समझना किन्तु भीड़ नियंत्रण के दौरान हिंसा का प्रयोग करना।

2. नैतिक द्वन्द्व की स्थिति :-

उदा० व्यक्ति अपने विभिन्न नैतिक मूल्यों में से प्राथमिकता-अनुसार चुनाव में असफल

3. कथनी व करनी में अन्तर :-

उदा० व्यक्ति के नैतिक मूल्यों पर प्रभाव व उस पर विश्वसनीयता में कमी होना

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

किसी चीज में विश्वास एवं उसमें जीना :-

1. **अर्जुन समान दृष्टि :-**

उदा. विश्वास एवं जीवन में समानता होने पर लक्ष्य बिल्कुल साफ दिखाई देता है।

2. **समयबद्ध एवं न्यूनतम संसाधनों में लक्ष्यप्राप्ति**

उदा. ई. श्रीधरन द्वारा समय से पूर्व कोंकण रेलवे का निर्माण

3. **असफलताओं से हार नहीं मानना :-**

उदा. रामभजन ने 2022 की UPSC परीक्षा में 8वें प्रयास में सफलता पायी

4. **दक्षता एवं प्रभावशीलता -**

उदा. तेजस्वी सातपुते, IPS का ऑपरेशन परिवर्तन - सोलापुर (महाराष्ट्र)। अपने विश्वास की बदौलत उन्हें सफलता पायी।

यह आवश्यक है कि हमारी वाणी एवं कृत्यों में समानता होनी चाहिए जिससे स्वयं एवं समाज के विकास में अपनी उच्चतम भागीदारी सुनिश्चित कर पायें।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(3) (b)

"जीवन केवल वह नहीं जिसको हम जीते हैं बल्कि हम दूसरों के जीवन में क्या परिवर्तन लाते हैं यह अधिक मायने रखता है।" — नेल्सन मंडेला

नेल्सन मंडेला द० अफ्रीका के एक गाँधीवादी नेता थे जिन्हें भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया था। उनके अनुसार जीवन की वास्तविकता अन्य के प्रति स्वयं के समर्पण से है।

जीवन के मायनों में अन्य के जीवन में परिवर्तन :-

1. मानवीय सोच —
   - सभी मानव एक समान हैं एवं सभी को समान अवसरों की आवश्यकता है।
   - हमारा कर्तव्य है कि हम सभी को समान अवसरों की सुनिश्चितता कराएं।

2. विभेद के विपरीत —
   - रंगभेद एक विभेदनकारी प्रवृत्ति है
   - अपने साथ रंगभेद करने वालों एवं उन्हें प्रताड़ित करने वालों को भी उन्होंने माफ कर दिया।

3. सबका विकास ही जीवन उन्नति है —
   - एकल मनुष्य के विकास से

केवल स्वयं का हित होता है।
- सभी का विकास होने पर यह पृथ्वी सुन्दर हो जायेगी।

4. जीवन में मानवीय मूल्यों का समावेश-
- घृणा, ईर्ष्या, अहंकार, ईर्ष्या का त्याग
- सहानुभूति, समानुभूति के आगे बढ़कर करुणा का आत्मिक विकास उदा. - मदर टेरेसा

5. प्राकृतिक अधिकारों की सुरक्षा-
- गरिमापूर्ण जीवन सभी मनुष्यों का अधिकार
- मानवाधिकारों को अनिवार्यतः धरातल पर लाना चाहिए

नेल्सन मंडेला एक शांत एवं अहिंसक विश्व की कल्पना करते हैं जहाँ मानव-मानव में विभेद ना हो। इसी से सीख लेकर हमें एक पृथ्वी: एक भविष्य एवं एक परिवार बनाने की आवश्यकता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3 (E)

"केवल पानी में खड़े होकर और निहारते रहने से आप समुद्र पार नहीं कर सकते।" – रवींद्रनाथ टैगोर

रवीन्द्रनाथ टैगोर भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के नेतृत्वकर्ताओं में से एक थे। अपनी नाइटहुड की उपाधि को उन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में लौटा दिया था।

– टैगोर के इस उद्धरण का आशय है कि हमें समस्याओं की गहराई में उतरना होगी तभी हम समस्या का समाधान कर पाएंगे।

1. समस्याएँ असीम हैं किन्तु समाधान संभव है –

उदा. COVID-19 की भयावह बीमारी का समाधान सूझ-बूझ एवं भागीदारी से आखिरकार संभव हो पाया है।

2. खोने के लिए कुछ नहीं किन्तु पाने के लिए सारा संसार पड़ा है –

उदा. सूरज तिवाड़ी अपनी दिव्यांगता से बेबस होकर शिथिल रहते तो

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

उन्हें UPSC, 2022 में सफलता नहीं मिलती।

3. समय व्यतीत करने से बेहतर है थोड़ा सा भी संघर्ष करना -

उदा. दूँढ-दूँढ से ही घड़ा भरता है

4. अपनी लड़ाई आप लड़ना -

उदा. राम ने वनवास जाते समय सीता से अनुरोध किया कि वनवास केवल राम को मिला है अतः वे राजमहल में ही रहें

5. समस्या के प्रतिरोध में खड़ा होना ही कठिन है इसके बाद समस्या गौण नजर आती है।

6. मंजिल पर पहुँचने के लिए पहले घर से निकलना पड़ता है

7. अपनी प्राथमिकताओं का निर्धारण समय रहते अपेक्षित है।

समाज समस्याओं के पहाड़ को देखने भर से वे समाप्त नहीं हो जायेंगी उनकी गहराई तक में जाकर उन्हें मूल से विनाश करना आवश्यक है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(4) (a) भावात्मक बुद्धिमत्ता के मुख्य घटक व्यक्तिगत विकास में कैसे योगदान करते हैं? क्या उन्हें अधिगम और अभ्यास के माध्यम से विकसित किया जा सकता है? चर्चा कीजिये।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य किसी व्यक्ति द्वारा अन्य व्यक्ति की भावना के साथ सामंजस्य स्थापित करने, प्रबंधन एवं नियंत्रण करने से है जिसमें तनाव मुक्ति, समस्या समाधान में सहायता मिलती है।

व्यक्तिगत विकास में EI का योगदान :-

1. **नेतृत्व क्षमता का विकास -**
   (उदा.) महेन्द्र सिंह धोनी ने EI के माध्यम से अपने साथी खिलाड़ियों से अच्छे सम्बन्ध स्थापित किए एवं नेतृत्वकर्ता के उदाहरण के रूप में उभरे।
2. **विश्वास लाभ -**
   (उदा.) विभाग के अन्य लोगों की समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण से उनका विश्वास मजबूत होता है।
3. **सफलता की सुनिश्चितता -**
   (उदा.) डैनियल गोलमैन के अनुसार सफलता में बौद्धिक दक्षता व EI का 20:80 योगदान होता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

EI के घटक
- स्वप्रेरणा
- स्वप्रबंधन
- स्वजागरूकता
- सामाजिक जागरूकता
- सामाजिक प्रबंधन

अधिगम व अभ्यास का प्रभाव :-

1. स्वयं की प्रेरणा द्वारा ही व्यक्ति किसी कार्य को दक्षता के साथ सम्पन्न कर सकता है। यह प्रेरणा समय एवं समाज पर निर्भर करती है।
2. स्वप्रबंधन - कार्यस्थल व घरेलू सम्बन्धों के मध्य स्वयं का प्रबंधन - परिवर्तन संभव
3. स्वजागरूकता - अपने गुण-दोष के बारे में पता होना
   स्वयं को नजदीक से जानने द्वारा सीखा जा सकता है
4. सामाजिक जागरूकता :- समाज के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानना
5. सामाजिक प्रबंधन - स्वयं का सामाजिक मूल्यों एवं विचारों के साथ समायोजन प्रबंधन

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के सभी घटकों का प्रभाव मानव के कार्य व व्यवहार पर पड़ता है। ये घटक समाज, दर्शन, समय, परिवार, मीडिया व प्रेक्षण द्वारा प्रभावित होते हैं। इन्हें अधिगम व अभ्यास के द्वारा विकसित किया जा सकता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(4)

(b) ईमानदार होना आसान नहीं है, इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। उपयुक्त आहरणों सहित चर्चा कीजिये।

ईमानदारी से आशय उच्च आदर्शों के प्रति निष्ठा से है। इसमें कानून की पालना, मानकों पर खरा उतरना आदि तत्व शामिल होते हैं।

ईमानदारी : एक कीमत चुकाना :-

1. प्रभाकर चौधरी, IPS अपने अल्प सेवाकाल में ही 20 से अधिक बार ट्रांसफर कर दिए गए। ये अपने कार्य के प्रति प्रारम्भ से ईमानदार रहे हैं।
2. अशोक खेमका, IAS अपनी निष्पक्षता एवं ईमानदारी के प्रति प्रतिबद्ध हैं।
3. M विश्वेस्वरैया अपने साथ हमेशा 2 मोमबत्ती रखते थे - एक निजी कार्य के लिए एवं एक सरकारी कार्य के लिए।
4. गांधीजी अपने देश, भारतीय जनता एवं परिवार के प्रति ईमानदार रहे जिसकी कीमत उन्हें उनके ही शिष्य के हाथों हत्या से चुकानी पड़ी।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5. कर्नाटक का शेट्टी - गुप्ता हल्ली IAS व IPS अधिकारियों के द्वारा खनन माफियाओं के विरुद्ध चलाये गये अभियान की कहानी कहता है जिन्हें अपनी जान गँवानी पड़ी।

6. स्वर्णिम चतुर्भुज योजना में चल रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले सत्येन्द्र दुबे को अपनी जान गँवानी पड़ी।

7. IPS नरेन्द्र कुमार के खनन माफियाओं के विरुद्ध अभियान के कारण उन्हें भी अपनी जान गँवानी पड़ी।

ईमानदारी अपने आप में ही एक पुरस्कार है - भगवद्गीता। अत: हमें ईमानदार होकर अपने कार्यों में निरत होना चाहिए। इसके अतिरिक्त व्हिसल ब्लोअर एक्ट में संशोधन एवं ईमानदारी को अधिक सुरक्षा प्रदान कर ईमानदार अधिकारियों को बचाया जाना चाहिए।

5.5/10

⇒ आपकी विषयवस्तु अच्छी
⇒ उत्तर को अधिक व्यावहारिक लिखने का प्रयास जारी रखें

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(5) (a)

शासन में शुचिता का क्या महत्व है एवं लोक सेवा में शुचिता और नैतिक शासन को बढ़ावा देने में नेतृत्व कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है? अपने उत्तर को स्पष्ट करने के लिए उपयुक्त दृष्टांत प्रदान कीजिये।

शासन में शुचिता का आशय अपने कार्य के प्रति निष्ठावान बने रहने एवं ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करने से है।

लोक सेवा में शुचिता और नैतिक शासन को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका :-

1. आपसी सम्बन्धों में वृद्ध एवं कनिष्ठों एवं वरिष्ठों के प्रति समझ बढ़ना
2. कार्य को समय पर पूर्णता सुनिश्चितता करना
3. अपने विभाग एवं लोगों के मध्य अपनी जवाबदेहिता सुनिश्चित करना
4. निष्पक्षता एवं गैर-राजनीतिक रहकर अपने प्रयासों से कार्य को वस्तुनिष्ठ ढंग से पूरा करना

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5. भावनात्मक समझ का विकास
6. संसाधनों को लाभार्थी लोगों तक पहुँचाने की प्रक्रिया

दृष्टांत :—

- COVID 19 के दौरान जनार्धनन नामक रेहड़ी लगाने वाले व्यक्ति ने अपनी सम्पूर्ण कमाई सी.एम. फंड में दान कर दी ताकि लोगों तक नैतिक मदद पहुँचाई जा सके।

- प्रशांत नायर, IPS ने तेरे मेरे बीच में अभियान चलाकर झील की सफाई करवाने में अपने नेतृत्वकारी गुणों का प्रदर्शन किया।

शुचिता, सत्यता का स्वरूप है जिसमें सक्षम प्राधिकारी अपनी नेतृत्व क्षमता से चार चाँद लगा सकता है।

5/10

उत्तर को कॉम्पैक्ट तथा विस्तृत - प्रारंभ एवं ... कहा पर ... जारी ... रखें

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5 (b)

(i) नागरिक घोषणा पत्र :-

यह एक नैतिक व राजनैतिक अनुबंध है जिसके द्वारा प्रशासनिक जवाबदेहिता व लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है।

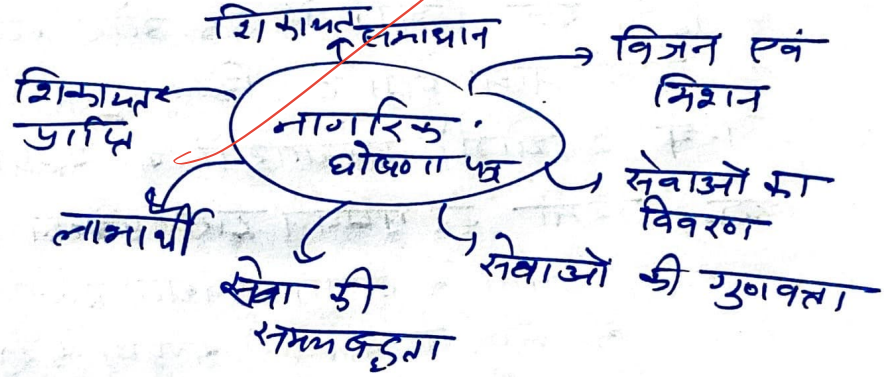

(ii) समभाव - समभाव से आशय विभिन्न लोगों के प्रति एक समान भावना से है। इसमें उपलब्ध तथ्यों एवं आँकड़ों के आधार पर निर्णय लिए जाने पर बल दिया जाता है।

उदा० किसी भर्ती प्रक्रिया के दौरान इंटरव्यू में सभी के प्रति समान भाव

(iii) दक्षता व प्रभावशीलता - ये सुशासन के घटक हैं।

कम समय में अधिक कार्य करने की क्षमता को दक्षता कहते हैं।

किसी कार्य को कितनी सटीकता

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

से पूर्ण किया गया है इसका मापन प्रभावशीलता है।

(उदा०) कृषि में प्रति किग्रा० रसायनिक उर्वरक द्वारा उत्पन्न फसल दक्षता है जबकि कुल उत्पादन वृद्धि प्रभावशीलता है।

(iv) लाभ बनाम कर्मचारी कल्याण :- नैतिक द्वन्द्व की इस स्थिति में एक ओर व्यक्ति का निजी लाभ होता है किन्तु दूसरी ओर अन्य सहयोगी कर्मचारियों का कल्याण।

(उदा०) किसी ट्रेड यूनियन द्वारा प्रबंधन से बातचीत के दौरान प्रबंधन द्वारा यूनियन को लाभ व कर्मचारी कल्याण के विकल्प प्रदान करना।

(v) उत्तरदायित्व व नैतिक शासन :- उत्तरदायित्व से आशय किसी व्यक्ति की वैधिक जिम्मेदारी से है एवं दूसरी ओर नैतिकता पूर्ण शासन की स्थापना मानवीय नैतिक गुणों द्वारा होती है।

(उदा०) सड़क पर प्रदर्शन कर रहे किसानों को खदेड़ना पुलिस का उत्तरदायित्व है जबकि उनको खाने के लिए फूड पैकेट उपलब्ध करवाना नैतिक शासन है।

6/10

⇒ आपकी विषय की समझ अच्छी है।
⇒ उत्तर को और संक्षिप्त तथा व्यवस्थित रूप में लिखने का प्रयास जारी रखें।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

6
9

व्यक्तिगत और व्यावसायिक नैतिकता के बीच अंतर स्थापित कीजिये। क्या आपको लगता है कि एक लोक सेवक के लिये अपने व्यक्तिगत जीवन में ऐसा किये बिना अपने पेशेवर जीवन में नैतिक होना उचित है? उदा० सहित चर्चा कीजिये।

व्यक्तिगत नैतिकता से आशय उन मानकों व मूल्यों से है जो व्यक्ति के व्यक्तिगत व्यवहार का नियंत्रण करते हैं। यह व्यक्तिगत सम्बन्धों में प्रदर्शित होती है।

व्यावसायिक नैतिकता का आशय व्यावसायिक गतिविधियों में नैतिकता पूर्ण आचरण करने से है।

व्यक्तिगत नैतिकता	व्यावसायिक नैतिकता
1. व्यक्तिगत सम्बन्धों में प्रदर्शित	- व्यावसायिक सम्बन्धों में प्रदर्शित
2. सामान्यतः धर्म, दर्शन, समाज से प्रभावित	- नियम, विनियम व कानून से प्रभावित
3. पालन नहीं करने पर दंड का प्रावधान नहीं	- पालन नहीं करने पर दंड

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

4. कोडीकृत नहीं	- कोडीकृत
5. भ्रष्टाचार की न्यून संभावना	- भ्रष्टाचार की संभावना अधिक
6. समयानुरूप परिवर्तन संभव	- कठोर प्रकृति

व्यावसायिक नैतिकता अपनाना किंतु व्यक्तिगत नैतिकता नहीं -

1. सामाजिक सम्बन्धों का ह्रास :-
उदा. पत्नी, पिता, पुत्र के प्रति न्यून लगाव
2. लक्ष्य प्राप्ति में अवरोध -
उदा. नियमों की कठोरता के कारण नियमों से विचलन सम्भव नहीं
3. नैतिक द्वन्द्व :-
उदा. नियमों की अनुपलब्धता में व्यक्तिगत मूल्यों के आधार पर निर्णय नहीं
4. नागरिक-अनुरक्तता की कमी -
उदा. PDS वितरण में किसी बुजुर्ग का बायोमैट्रिक नहीं लगने पर राशन नहीं प्रदान करना

व्यक्ति अपने व्यावसायिक व व्यक्तिगत - दोनों क्षेत्रों में नैतिक होना चाहिए इसी से नैतिक सुशासन की स्थापना होगी।

4.5/10

मॉडल उत्तर की सहायता से व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत [illegible] के मध्य संबंधों को [illegible]

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

6 (b)

जो शिक्षा चरित्र का निर्माण नहीं करती वह पूरी तरह से बेकार है, गांधीजी की इस मान्यता के अनुरूप बच्चों में मूल्यों की स्थापना में शैक्षणिक संस्थानों और समाज के महत्व पर चर्चा कीजिये।

बच्चों में मूल्यों का निर्माण शैक्षिणक संस्थान व समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मूल्य वे उच्च आदर्श व आकांक्षाएं हैं जो व्यवहार-रूप में प्रदर्शित होती है।

शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका :-

1. शारीरिक रूप से फिट रहने में
2. मानसिक रूप से विकसित
3. लैंगिक संवेदनशीलता का विकास
   (उदा.) बालक व बालिकाओं को साथ पढ़ाने से
4. नेतृत्व क्षमता का विकास
   (उदा.) क्रिकेट, फुटबॉल आदि खेलों से
5. अनुशासन
   (उदा.) समान पोशाक पहनना
6. धर्मनिरपेक्षता
   (उदा.) सभी धर्मों के बच्चों का साथ पढ़ना

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

समाज का महत्व :-

1. परिवार -

माता - त्याग, परिश्रम, प्रेम, करुणा, वात्सल्य आदि
(जैसे) महात्मा गाँधी ने अपनी माँ से सीखे गुण

पिता - संघर्ष, धैर्य, त्याग, आर्थिक प्रबंधन
(जैसे) डॉ. कलाम ने अपने पिता से धैर्य सीखा

दादा-दादी - आध्यात्मिकता, नैतिक कहानियां

भाई-बहन - लैंगिक संवेदनशीलता, मित्रता, बाँटना

2. पड़ोस द्वारा - समाज में होने वाले कार्यक्रमों, हिंसा, भलाई आदि से मूल्यों का विकास

3. मित्रों से - भ्रातृत्व, बाँटना, आपसी सहयोग, समन्वयता

4. अपने-पास का परिवेश - संगठन, सहयोग आदि

मूल्य निर्माण एक निरन्तर प्रक्रिया है जिसमें परिवर्तन होते रहता है। हमें सकारात्मक मूल्यों का समावेश अपने अन्दर करना चाहिए।

(7)

सम्बन्धित केस अध्ययन सोशल मीडिया पर सिविल सेवक की बढ़ती उपस्थिति एवं अनामिकता के सिद्धान्त में अवरोध की प्रस्तुति है।

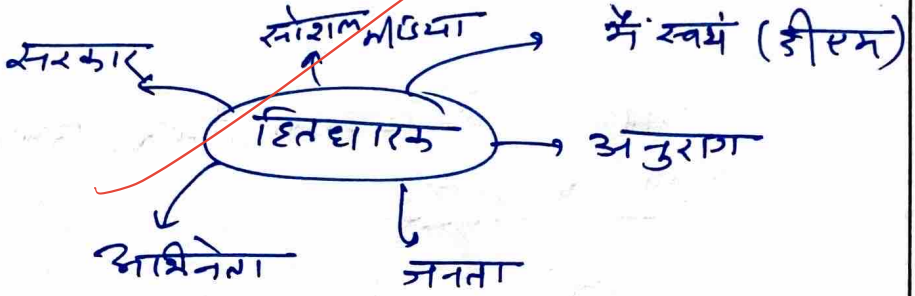

(a) नैतिक दुविधा :-

1. श्री अनुराग के साथ मेरे सम्बन्ध एवं सिविल सेवा नियम
2. निजी लाभ बनाम वैधानिकता
3. लोगों का हित बनाम अनामिकता
4. सोशल मीडिया का दुष्प्रभाव
5. अभिनेताओं द्वारा खबर की प्रस्तुति
   ↓
   वास्तविकता बनाम काल्पनिक बढ़ी चढ़ी खबर

(b) उपलब्ध विकल्प -

1. चुप रहूँ एवं श्री अनुराग के खिलाफ शिकायत/रिपोर्ट वापस लेलूँ

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

पक्ष	विपक्ष
1. पदोन्नति समय से मिल जायेगी	1. आत्मसंतुष्टि नहीं
2. दण्डात्मक पोस्टिंग नहीं	2. नैतिक दुविधा बनी रहेगी
	3. कानून उल्लंघन होगा

(2) श्री अनुराग के खिलाफ तैयार रिपोर्ट के साथ आगे बढ़े -

पक्ष	विपक्ष
1. नियमों का उचित पालन सुनिश्चित	1. लोगों को डिजीटल माध्यम से न्याय की सुनिश्चितता नहीं
2. अन्तःमन की संतुष्टि	2. पदोन्नति में देरी व स्थानान्तरण संभव

(3) श्री अनुराग को समझाकर अपनी क्रियाविधि को विनियमित करने का आग्रह करे -

पक्ष	विपक्ष
1. लोगों को अधिकारियों से संवाद की सुनिश्चितता	1. माने या नहीं माने इस पर संशय
2. संबंध स्थापित रहेंगे	2. श्री अनुराग इस बात पर बहस कर सकते है।
3. नियमों का पालन होगा	

(c) कार्रवाई के लिए मैं तृतीय विकल्प चुनूँगा क्योंकि -

1. इससे मेरी नेतृत्व क्षमता का परिचय होगा
2. हर अपराधी को एक बार सुधरने का मौका अवश्य मिलना चाहिए - महात्मा गाँधी
3. अधिकतम लोगों का लाभ सुनिश्चित होगा जेरेमी बेंथम - उपयोगितावाद
4. कानून की सफलता सुनिश्चित होगी
5. मैं स्वयं भी भागीदार नहीं बनूँगा - और कानूनी कर्तव्य में

(d) सोशल मीडिया पर सभी लोग अपनी दैनिक क्रियाविधियाँ पोस्ट करते हैं। भारत में लगभग 730 मिलियन इन्टरनेट उपभोक्ता हैं। अधिकारियों हेतु नीतिगत उपाय-

1. व्यक्तिगत व व्यावसायिक कार्यों के लिए अलग सोशल मीडिया रखते
2. केवल लोगों की भलाई सम्बन्धी कार्यों का ही प्रोत्साहन किया जाये
3. किसी बाहरी करिश्माई नेतृत्व से अवांछित लाभ नहीं प्राप्त किया जाये
4. इसके निगमन हेतु एक कमेटी की स्थापना
5. सार्वजनिक हितों को प्रोत्साहन देने वाले नवीन तरीकों का समावेश

11/20

8

भारत में बढ़ते अंग व्यवसाय की नैतिकता पर सवाल उठाता यह केस अध्ययन भौतिकता की कहानी कहता है जहाँ रास्तों से अधिक लक्ष्य प्राप्ति को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

(a) शामिल नैतिक दुविधाएं -

1. नैतिकता बनाम वैधानिकता
2. अधिकतम लोगों का सुख बनाम प्रशासक का सुख
3. विश्वसनीयता बनाम धोखेबाजी
4. मंजिल बनाम रास्ते
5. नैतिक मूल्य बनाम भौतिकतावाद

(b) उपलब्ध विकल्प :-

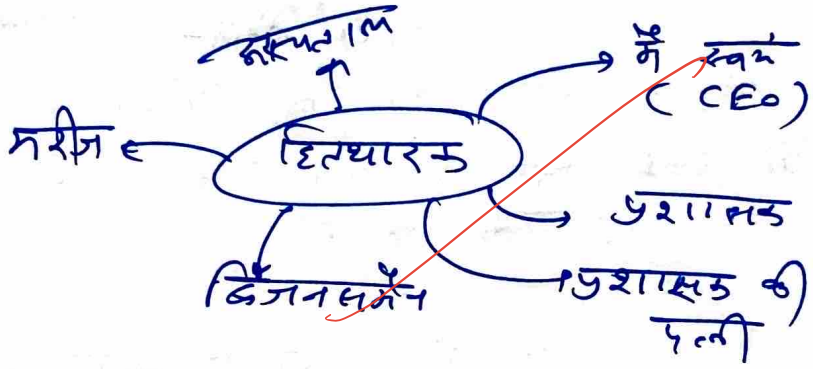

1. डी गांधी व्यवस्था के अनुसार कार्य चलता रहे -

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

पक्ष	विपक्ष
1. मुझे भी हित लाभ की संभावना।	1. गैर कानूनी कृत्य में भागीदार
2. अस्पताल को डोनेशन जारी रहेगा।	2. हॉस्पिटल की विश्वसनीयता पर संकट

(2) प्रशासक की शिकायत कर दी जाये एवं उसे नौकरी से निकालने की अनुशंसा-

पक्ष	विपक्ष
1. प्रशासक की नैतिकता को पुनः स्थापित करने के सक्षम	1. प्रशासक की पत्नी की मृत्यु संभव
2. लोगों को अंगों की प्राप्ति सुनिश्चित	2. अस्पताल को डोनेशन में कमी

(3) प्रशासक, अस्पताल के मालिक व गैर मध्य एक बातचीत :-

पक्ष	विपक्ष
1. मध्य रास्ता निकालने की संभावना	1. बातचीत पर निष्कर्ष नहीं भी निकल सकता
2. प्रशासक की नौकरी बचने की संभावना	2. समय अधिक

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC
Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(c) मैं सर्वप्रथम बातचीत का तरीका चुनूँगा क्योंकि -

1. प्रशासक की पत्नी की हालात (स्वास्थ्य का भी सवाल है
2. प्रशासक के खिलाफ सूचनाएं बाहर आने से अस्पताल की विश्वसनीयता पर भी संकट पैदा होगा
3. भविष्य में ऐसी अव्यवस्था पैदा ना हो इसके लिए जाँच प्रक्रिया के बिंदुओं पर गौर करने बिल्कुल समाधान प्रस्तुत किया जाये
4. लोगों को तुरन्त इस तरह की अव्यवस्था से पार पाने के लिए शांति की अपील की जाये।
5. प्रशासक की वेतन वृद्धि की सिफारिश
6. बिजनसमैन की अंग व्यापार में संलिप्तता की शिकायत आगे किसी स्तर (पुलिस) पर करना

अतः एक मध्य मार्ग (बौद्ध धर्म) अपनाते हुए आगे बढ़ने का प्रयास करूँगा।

10.5/20

= प्रयास अच्छा
= इस को और सटीक क्रमबद्ध तथा व्यवस्थित लिखा जा सकता है

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(9) दिया गया केस अध्ययन समाज में कुत्ता पालने की बढ़ती प्रवृत्ति एवं कई बार उनके हानिकारक होने से जुड़ा हुआ है। ऐसा वाकया हाल में नोएडा में देखने को मिला जहाँ लिफ्ट में एक महिला को कुत्ते ने काट लिया।

(a)

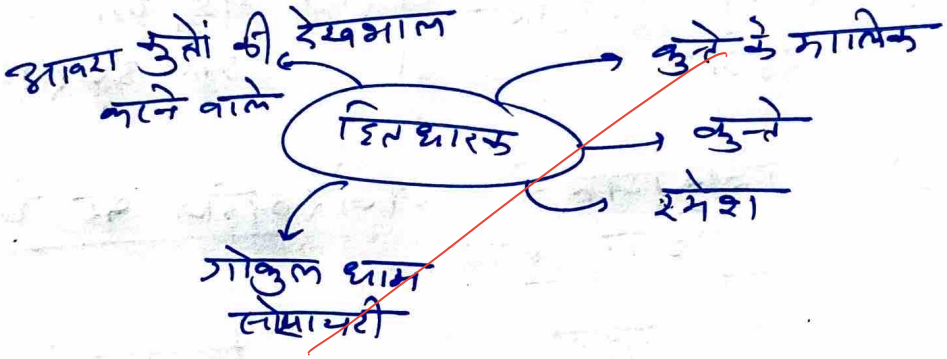

- एक ही समाज के रहने वाले लोगो के विपरीत रवैये के निम्नलिखित कारण है -

1. लोगो की स्वहितों को प्राथमिकता
2. जैविक अधिकारों के प्रति उदासीनता
3. कर्तव्यपरायणता की कमी / अधिकता
4. रोगो के प्रति लोगों की बढ़ती संवेदनशीलता
5. बच्चों एवं पशु के ले बच्चे की स्वास्थ्य आवश्यकताओं का प्रोत्साहन

कुत्ते के प्रति शत्रुतापूर्ण व्यवहार एवं स्नेहपूर्ण व्यवहार के कारणों को अलग-अलग पैराग्राफ में उल्लेख करना चाहिए

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(6) रमेश के पास उपलब्ध विकल्प -

(1) आवारा पशु/कुत्ते का प्रवेश निषेध -

पक्ष	विपक्ष
(i) कॉलोनी वासियों की समस्या का हल	(i) कुत्तों के अधिकारों की अवमानना
(ii) बच्चे सुरक्षित रहेंगे	(ii) पशु प्रेमी के प्रति उदासीनता

(2) शिकायत को नजर अंदाज कर छोड़ दिया जाये -

पक्ष	विपक्ष
(i) तात्कालिकता में शांति संभव	(i) आपसी वैमनस्यता फैलना
(ii) लोगों के मध्य आपसी जुड़ाव से समस्या समाधान	(ii) समस्या से मुँह फेरना समस्या समाधान नहीं
	(iii) दीर्घकालिक समाधान नहीं

(3) आवारा पशुओं के लिए अलग से व्यवस्था

पक्ष	विपक्ष
(i) पशु अधिकारों को मान्यता	(i) धन प्रबन्धन की समस्या
(ii) बच्चों की सुरक्षा	(ii) सभी लोगों की सहमति पर प्रश्नचिह्न
(iii) कॉलोनी में शांति	

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(c) रमेश को इस स्थिति में तृतीय विकल्प अपनाना चाहिए क्योंकि-

1. पशुओं के भी अधिकार होते हैं एवं उन्हें स्वतंत्र रूप से जीने का अधिकार है।
2. मानव-पशु सह-अस्तित्व में विश्वास रखना चाहिए
3. पशु दीर्घकाल में मानव के लिए लाभप्रद ही सिद्ध हुए हैं।
4. खाद्य श्रृंखला बनी रहेगी
5. कॉलोनीवासियों से फंड लेकर अलग से बाड़े की व्यवस्था की जा सकती है
6. पशु प्रेमी भी अपनी अवस्था के अनुसार पशुओं की सेवा कर पाएंगे

अतः हमें मानव के साथ-साथ पशु अधिकारों को भी मान्यता देनी चाहिए एवं अपने मूल कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए।

10/20

उत्तर को अधिक व्यापक तथा अधिकार आधारित विचार के साथ उचित करना था

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(10)

प्रस्तुत केस अध्ययन एक ट्रांसपोर्ट भर्ती अधिकारी के नैतिक द्वंद एवं एक बस चालक की लापरवाही की कहानी कहता है।

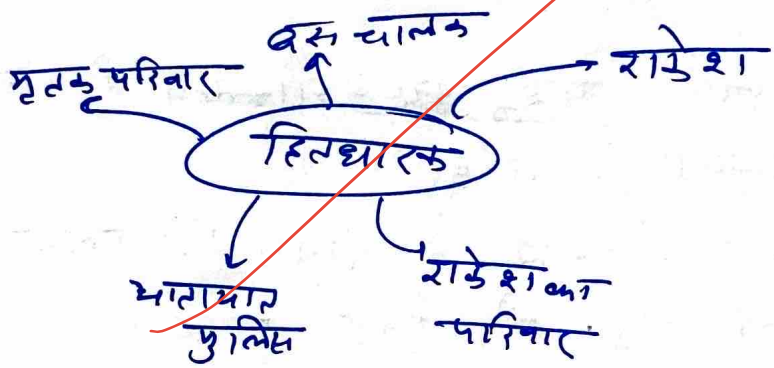

(a) नैतिक मुद्दे :-

1. निजी लाभ बनाम सार्वजनिक लाभ
2. अन्तरात्मा की आवाज बनाम परिवार के प्रति वफादारी
3. कार्य के प्रति जवाबदेहिता बनाम आपराधिक कृत्य को छुपाना
4. जिम्मेदारी बनाम शालीनता

(b) भविष्य में उठाये जा सकने वाले कदम :-

1. तात्कालिक कदम :-

(i) CCTV कैमरा लगवाना -

- प्रत्येक सर्किल पर CCTV उपलब्धता

- ऑटोमैटिक चालान की व्यवस्था करना ताकि डिजिटल माध्यम से चालान कर सके

(ii) यातायात पुलिसकर्मियों की जवाबदेही:-

- पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाना
- नवीनतम तकनीकी उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करना

(iii) लाइसेंस रद्द करना -

- एक बार गलती करने पर फाइन एवं दो बार गलती करने पर चालक का लाइसेंस रद्द करना
- ऐसे चालकों को किसी निजी कार्य द्वारा रोजगार पर न रखे जाने ऐसी सुनिश्चितता

(2) दीर्घकालिक कदम :-

(i) समिति निर्माण -

- वरिष्ठ इंजीनियर + अधिकारी + ट्रांसपोर्ट मालिक को शामिल कर

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- समिति की रिपोर्ट की समीक्षा
- रिपोर्ट को लागू करना

(ii) भविष्य के लिए फुलप्रूफ प्लान बनाना

तथ्यों को थोड़ा विस्तार से प्रस्तुत करें।

(iii) नवीन यातायात दल का गठन :-
- जो गतिशील होकर यातायात पर निगरानी रखे
- महिलाओं की उपस्थिति सुनिश्चित

(iv) डाटा एकत्रण करना :-
- बार-बार लाइसेंस रद्द होने वाले चालकों के डाटा का एकत्रण
- कठोर कार्यवाही अपनाना

अतः आगामी परिस्थितियों के लिए हमेशा तैयार रहने की आवश्यकता है जिससे सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

10/20

आपकी विषयवस्तु की समझ अच्छी है, कार्य योजना को आवश्यकतानुसार तथ्यपरक विस्तार दें।

(11)

प्रस्तुत केस अध्ययन एक अस्पताल में एक चिकित्सक की लापरवाही को इंगित करता है जहाँ एक गरीब को सरकारी योजना के लाभ से वंचित रहना पड़ा है।

(a)(b) उपलब्ध विकल्प -

(1) यथास्थिति को रहने दी जाये -

पक्ष	विपक्ष
1. डा. अविशी से व्यक्तिगत सम्बन्ध स्थायी रहेंगे	1. अस्पताल की प्रतिष्ठा धूमिल
2 अपनी मित्रता निभाने एवं एहसान चुकाने का समय	2. दीपाली और राजेश के साथ न्याय नहीं
	3. डॉ. अविशी की नौकरी पर खतरा

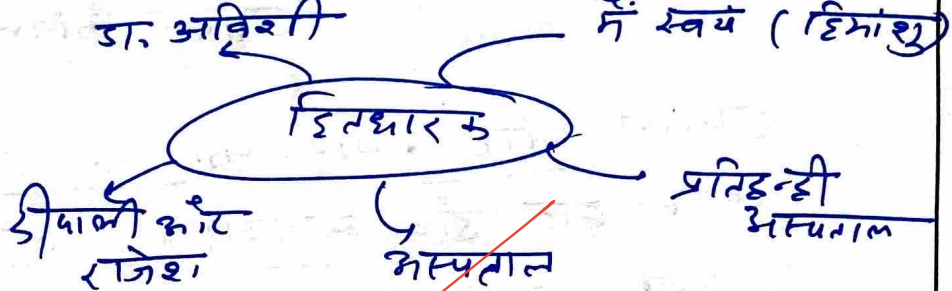

(2) डॉ. अविशी पर कार्यवाही का प्रस्ताव

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

पक्ष	विपक्ष
1. न्याय की अवधारणा	1. डॉ० अविशी से निजी सम्बन्ध खराब
2. अस्पताल की प्रतिष्ठा धूमिल नहीं	2. मानवीय मूल्यों - एहसान के बदले प्रतिदान के विरुद्ध

(3) दीपाली और राजेश को, न्याय प्रदान करते हुए डॉ० अविशी पर लापरवाही के लिए साधारण दण्ड -

पक्ष	विपक्ष
1. न्याय सुनिश्चित	1. स्वयं के साथ धोखा क्योंकि डॉ० अविशी को पूर्ण दण्ड नहीं
2. अस्पताल की प्रतिष्ठा धूमिल नहीं	2. सम्भव है कि डॉ० अविशी ने जानबूझकर ऐसा किया हो
3. डॉ० अविशी को सजा	

(C) मेरे लिए तृतीय विकल्प अधिक अवहार्य है - क्योंकि -

1. डॉ० अविशी एक सर्वोत्कृष्ट चिकित्सक हैं और उन्होंने केवल दीपाली व राजेश को बचाकर अपनी चिकित्सकीय नैतिकता निभाई है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

2. न्याय सुनिश्चित करने के लिए राजेश व दीपाली को सर्जरी का पूरा खर्च मिलना चाहिए

3. डॉ. अविरुणी को अपने कार्य पर पश्चाताप एवं दण्ड की आवश्यकता

4. अस्पताल की प्रतिष्ठा पर कोई खतरा नहीं होगा

(d) भविष्य में घटनाक्रम की पुनरावृत्ति न होने
1. स्वास्थ्य देखभाल योजना के लिए स्पेशल विंडो की अनुशंसा एवं स्थापना के लिए प्रयास
2. ऐसे मामलों के त्वरित निर्णय
3. सकारात्मक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण का निर्माण
4. प्रोत्साहन व दण्ड की रणनीति

अत: स्वास्थ्य को मानव का मूल अधिकार समझकर यह आवश्यकता है कि सभी सरकारी योजनाएं लोगों तक पहुंचाई जाएं।

10.5
20

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(12)

प्रस्तुत केस अध्ययन AI के दैनिक जीवन, कम्पनियों, फिल्मों में प्रयोग से सम्बन्धित है जिसके कारण मानव के रोजगार का विनाश हो रहा है जिसका नकारात्मक परिणाम उनके परिवार पर भी पड़ रहा है।

(a)

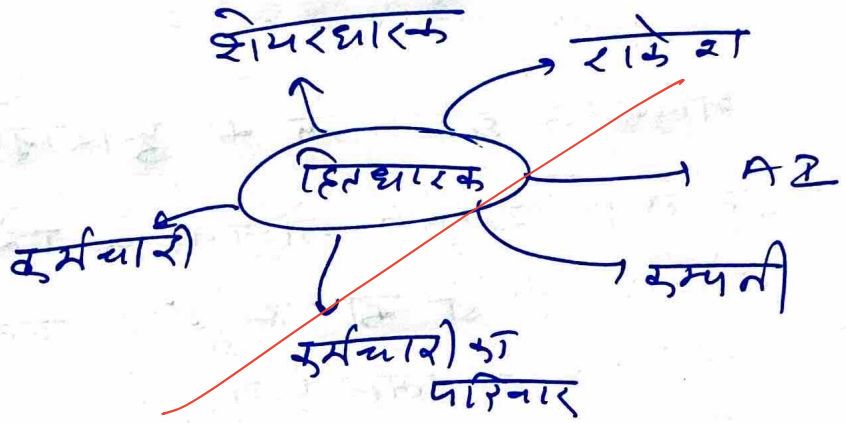

(b) नैतिक मुद्दे :-

1. कम्पनी लाभ बनाम नैतिकता
2. निजी हित बनाम सार्वजनिक हित
3. व्यावसायिक नैतिकता बनाम मानवीय मूल्य
4. नवाचार बनाम रूढ़िवादिता
5. प्रगति बनाम अवनति

(C)

राकेश के सामने निम्न विकल्प हैं -

1. यथास्थिति बनी रहे.

पक्ष	विपक्ष
+ कामगारों की छँटनी नहीं होगी - सामाजिक नैतिकता	- कम्पनी के लाभ में वृद्धि नहीं - प्रतिस्पर्धा नहीं

2. कम्पनी में AI का प्रयोग -

पक्ष	विपक्ष
1. कम्पनी के निवेशकों को लाभ 2. कम्पनी में राकेश की 4% हिस्सेदारी	1. कामगारों की छँटनी 2. उनके परिवारों की हालात खराब 3. सामाजिक नैतिकता का ह्रास

3. कम्पनी में AI का सरकार प्रयोग सुनिश्चित करना एवं खामियों का कौशल विकास -

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

पक्ष	विपक्ष
1. कम्पनी के लाभ में वृद्धि	1. लाभ में देरी
2. श्रमिकों का कौशल विकास	2. निवेशकों में अविश्वास
3- श्रमिक छँटनी नहीं	3- प्रतिस्पर्धा से पिछड़ना

(c) राकेश को तीसरे विकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए क्योंकि -

(1) यह एक खर्चीली तकनीक है जिसके लिए अत्यधिक वित्त आवश्यक है अतः इसे स्तरवार लागू करना उचित होगा

(2) कार्मिकों के कौशल विकास से इन्हें भविष्य में अन्य जगह रोजगार भी आसान मिल जायेगा

(3) कार्मिकों के आय अवसर व लाभ में वृद्धि

(4) निवेशक भी एक समन्वित प्रयास से खुश होंगे

अतः मध्य मार्ग अपनाकर कर्मचारियों एवं कम्पनी के मध्य लाभ की सुनिश्चितता की जा सकती है।

11/20